6. 'मानसरोदक खंड' के भावार्थ को स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

कवि सूरदास के काव्य के कला-पक्षीय सौन्दर्य का आकलन कीजिए।

★★★

2014

HINDI

(Major)

Paper : 1.2

(Bhaktikalin Kavyadhara)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×10=10

(क) 'मुरारि' का तात्पर्य क्या है?

(ख) किनको 'पसुपति-भामिनी' कहा गया है?

(ग) किस उपनाम से विद्यापति सर्वाधिक प्रसिद्ध हैं?

(घ) 'बीजक' के तीन खण्ड क्या-क्या हैं?

(ङ) 'हम बासी उस देश के' —कबीर किस देश के बासी हैं?

(च) 'मानसरोदक खण्ड' किस कृति का खण्ड है?

(छ) "पाहन बीच कमल विकसावै, जल में अगिनि जरै।" किस कविता से उद्धृत है?

(ज) तुलसीदास क्यों राम के 'चरन' को छोड़ना नहीं चाहते हैं?

(झ) मीराँबाई की एक काव्यिक विशेषता लिखिए।

(ञ) रसखान के आराध्य देवता का नाम क्या है?

2. अति संक्षेप में उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) कबीर की लोकप्रियता के दो कारण लिखिए।

(ख) पठित पदों के आधार पर कृष्ण का बाल वर्णन कीजिए।

(ग) सूरदास की भक्ति-सम्बन्धी दो विशेषताएँ लिखिए।

(घ) "मन पछितैहै अवसर बीते।" तुलसीदास ने क्यों ऐसा कहा है?

(ङ) रसखान की दो काव्यिक विशेषताएँ क्या-क्या हैं?

3. किन्हीं **चार** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) विद्यापति ने कैसे राधा के 'अपार रूप' का वर्णन किया है? अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) कबीर की प्रेम सम्बन्धी अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

(ग) जेठ महीने में नागमती की विरह-दशा कैसी थी?

(घ) "सुनहु गोपी हरि को संदेस।" हरि का क्या संदेश था?

(ङ) भक्ति-काव्य के रूप में 'विनय-पत्रिका' का क्या महत्त्व है?

(च) मीराँबाई की भक्ति-भावना पर एक टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×2=20

(क) बड़ सुख-सार पाओल तुअ तीरे।
छोड़इत निकट नयन बह नीरे॥
कर जोरि विनमओं बिमल तरंगे।
पुन दरसन होई पुनमति गंगे॥
एक अपराध छेमब मोर जानी।
परसल माय पाए तुअ पानी॥

अथवा

प्रेम न बारी ऊपजै प्रेम न हाटि बिकाइ।
राजा परजा जेहि रुचै सीस देइ लै जाइ॥

(ख) अब मैं नाच्यौ बहुत गुपाल।
काम क्रोध कौ पहिरि चोलना कंठ विषय की माल।
महामोह के नूपुर बाजत निंदा सब्द रसाल॥
भरम भर्‌यौ मन भयौ पखावज चलत असंगत चाल॥

अथवा

कबहुँक हौं यहि रहनि रहौंगो।
श्री रघुनाथ-कृपालु-कृपा तें संत सुभाव गहौंगो॥
जथालाभ संतोष सदा, काहू सों कछु न चहौंगो।
परहित-निरत निरंतर मनक्रम बचन नेम निबहौंगो॥

5. विद्यापति भक्त कवि थे या शृंगारी? सतर्क उत्तर दीजिए। 10

अथवा

तुलसीदास की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।